शोधार्थियों ने बायो डीजल उत्पादन बढ़ाने की तकनीक विकसित की

यूपीईएस

रूस के बायो एनर्जी एक्सपोर्ट के साथ मिलकर किया नवाचार
इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की ली गई मदद

जागरण संवाददाता, देहरादून : यूपीईएस के तीन शोधार्थियों ने रूस के बायो एनर्जी एक्सपोर्ट के साथ मिलकर जेटरोफा (रतनजोत) के पौधे से बायोडीजल तैयार करने की उन्नत तकनीक विकसित की है। दुनियाभर में बढ़ रहे ईंधन संकट के मद्देनजर, बेहतर समाधान तलाशने के मकसद से इस शोध के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग की मदद ली गई, जो श्रम खर्चों को घटाने के साथ बायोईंधन की गुणवत्ता भी बेहतर बनाएगी।

यूपीईएस के स्कूल आफ कंपयूटर साइंस के अभिरूप खन्ना, स्कूल आफ एडवांस इंजीनियरिंग की डा. कल्पना जैन व डा. भावना लांबा ने मिलकर एक ऐसी विधि विकसित की है, जो आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग एल्गारिदम की मदद से बायोडीजल की प्रापर्टीज का पूर्वानुमान लगाकर बायो डीजल की उपज एवं गुणवत्ता में सुधार ला सकती है। यूपीईएस व अन्य ग्लोबल संस्थानों, जैसे डान स्टेट टेक्नीकल यूनिवर्सिटी एवं फेडरल साइंटिफिक एग्रोइंजीनियरिंग सेंटर वीआइएम रूस की ओर से सस्टेनेबल एनर्जी साल्यूशंस की तलाश के लिए इस उल्लनीय शोधकार्य को मान्यता मिली है। बायोडीजल उत्पादन के लिए जटरोफा प्रमुख खाद्य तिलहन है। इस शोध के तहत ईंधन की गुणवत्ता पर जोर दिया गया है, जिनमें ईंधन की मात्रा का पूर्वानुमान करने के साथ-साथ श्रम लागत घटाने में भी सहायता करेगा।